रयत शिक्षण संस्था का,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर(बुर्ली)

Course Outcomes

हिंदी (अनिवार्य) . प्रश्नपत्र - A सृजनात्मक लेखन, प्रश्नपत्र - B व्यावहारिक लेखन

CO1. हिंदी भाषा तथा व्याकरण का परिचय हुआ।

CO2. सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य - साहित्य, पत्रकारिता) से अवगत हुए।

CO3. सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त हुई।

CO4. सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता का आकलन हुआ।

CO5. हिंदी के विविध रूपों को समझ लिया।

CO6. प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय हुआ।

CO7. पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों से अवगत हुए।

CO8. अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन की जानकारी मिली।

CO9. व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता समझ में आयी।

हिंदी (विषेश ऐच्छिक) . साहित्य जगत, हिंदी गद्य साहित्य प्रश्नपत्र – 1 और 2

CO10. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ गई तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं का परिचय हुआ l

CO11. छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से प्रभावित हुए।

CO12. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल्य विकसित हुआ l

CO13. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास हुआ l

CO14. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई।

CO15. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता जाग्रत हुई।

CO16. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिला।

प्रश्नपत्र – 3 अस्मितामूलक विम"र्ा और हिंदी गद्य साहित्य

CO17. छात्रों को कथा साहित्य का परिचय हुआ ।

CO18. छात्र कथा साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों से अवगत हुए ।

CO19. छात्रों को समीक्षा मानदंड के आधार पर कथा साहित्य का आकलन हुआ ।

CO20. छात्रों को कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक परिचय हुआ ।

CO21. छात्र कथेतर साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों से अवगत हुए ।

CO22. छात्रों को कथा और कथेतर साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान हुआ

प्रश्नपत्र – 4 हिंदी संतकाव्य तथा राश्ट्रीय काव्यधारा

CO23. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ी ।

CO24. छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं का परिचय हुआ ।

CO25. छात्र मध्यकालीन हिंदी कवियों के परिचय से प्रभावित हुए ।

CO26. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई ।

CO27. छात्र आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विम"र्शों से अवगत हुए ।

CO28. छात्रों को हिंदी संतकाव्य से परिचय हुआ ।

प्रश्नपत्र – 5 रोजगार परक हिंदी

CO29. छात्रों में हिंदी में कार्य करने की विचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं रुचि विकसित हुई ।

CO30. छात्रों में रोजगारोन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य का विकास हुआ ।

CO31. छात्रों को पत्राचार के स्वरूप का परिचय हुआ ।

CO32. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल्य का निर्माण हुआ ।

CO33. छात्रों को **व्यावहारिक हिंदी से परिचय हुआ ।**

CO34. छात्रों का रोजगारोन्मुख **क्षेत्र से परिचय हुआ ।**

प्रश्नपत्र – 6 अस्मितामूलक विम"र्श और हिंदी पद्य साहित्य

CO35. छात्रों को हिंदी कवियों का परिचय हुआ ।

CO36. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमता को बढ़ावा मिला।

CO37. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण हुई ।

CO38. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई ।

CO39. छात्रों को साहित्य की विविध **पद्य** विधाओं का परिचय हुआ ।

CO40. छात्र आधुनिक हिंदी **पद्य** में चित्रित विविध विम"र्शों से अवगत हुए ।

प्रश्नपत्र — VII & XII - विधा विशेष का अध्ययन

पाठ्यपुस्तक . दिल्ली ऊँचा सुनती है' (नाटक) —कुसुम कुमारअंतिम साक्ष्य (उपन्यास)— चंद्रकांता

CO41. नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा और साहित्य का परिचय हुआ ।

CO42. नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से प्रभावित हुए ।

CO43 नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन हुआ ।

CO44. नाटककार के रूप में कुसुम कुमार का साहित्यिक स्थान निर्धारित हुआ ।

CO45. **उपन्यासकार चंद्रकांता** की बहुमुखी प्रतिभा और साहित्य का परिचय हुआ ।

CO46. **उपन्यासकार चंद्रकांता** की विचारधारा से प्रभावित हुए ।

CO47. **उपन्यासकार चंद्रकांता** के निर्धारित ग्रंथ का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन हुआ ।

CO48. **उपन्यासकार** के रूप में **चंद्रकांता** का साहित्यिक स्थान को निर्धारित हुआ ।

प्रश्नपत्र— VIII & XIII - साहित्यशास्त्र

CO49. साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया से ज्ञात हुए ।

CO50. साहित्य /काव्य के विभिन्न अंगों, भेदों का परिचय हुआ ।

CO51. साहित्य/काव्य की नवीन विधाओं से अवगत हुए ।

CO52. समीक्षा सिद्धांतों का ज्ञान हुआ ।

CO53. साहित्य /काव्य के तत्वों की जानकारी मिली ।

CO54. अलंकारों और छंदों का आकलन हुआ ।

प्रश्नपत्र— IX & XIV - हिंदी साहित्य का इतिहास

CO55. हिंदी भाषा तथा साहित्य का परिचय हुआ ।

CO56. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा से अवगत हुए ।

CO57. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग—अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से अवगत हुए ।

CO58. छात्रों में साहित्य समझने तथा उसका आस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टि निर्माण हुई।

CO59. छात्रों को साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकास क्रम की जानकारी मिली।

CO60. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों का परिचय हुआ ।

प्रश्नपत्र — X & XV - प्रयोजनमूलक हिंदी

CO61. हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित हुई ।

CO62. रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य विकसित हुआ ।

CO63. पारिभाषिक शब्दावली का परिचय हुआ ।

CO64. सरकारी पत्राचार के स्वरूप की जानकारी मिली।

CO65. जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ज्ञात हुए ।

CO66. अनुवाद स्वरूप, महत्व तथा उपयोगिता का आकलन हुआ ।

CO67. रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट हुई ।

प्रश्नपत्र— XI & XVI - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

CO68. भाषा के विविध रूपों का ज्ञान हुआ ।

CO69. छात्र हिंदी व्याकरण से अवगत हुए ।

CO70. भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय प्राप्त हुआ ।

CO71. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास की जानकारी मिली ।

CO72. भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागृत हुए ।

CO73. मानक हिंदी वर्तनी से छात्र अवगत हुए ।